International Conference on Emerging Trends in Engineering, Science, Humanities and Management (ICETESHM – 2024)
31st March, 2024, New Delhi, India.

CERTIFICATE NO: ICETESHM /2024/ C0324305

राजनीतिक और आर्थिक विकास पर भूगोल का प्रभाव

ANOOP NAIN

Sidhi Vinayaka College of Education, Kakrod, Haryana

सारांश

संसाधनों, व्यापार मार्गों और जलवायु स्थितियों पर भूगोल का प्रभाव राष्ट्रों और क्षेत्रों के प्रक्षेप पथ को आकार देता है, जो बदले में राजनीतिक और आर्थिक विकास को प्रभावित करता है। आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता और बाहरी ताकतों पर निर्भरता में कमी सभी पर तेल, उपजाऊ भूमि, खनिज और ऐसे अन्य उत्पादों जैसे प्राकृतिक संसाधनों का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आक्रमणों के लिए प्राकृतिक बाधाएँ अक्सर पर्वतों, नदियों और महासागरों जैसे स्थलाकृतिक तत्वों द्वारा आकार दी जाती हैं, जो राजनीतिक सीमाओं की स्थापना को भी प्रभावित करती हैं और सर्वोत्तम रक्षात्मक स्थिति निर्धारित करती हैं। तट तक पहुंच होने से लोगों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के संपर्क में लाकर वाणिज्य और आर्थिक विविधीकरण के अधिक विकल्प खुलते हैं। कृषि उत्पादन, जनसंख्या घनत्व और ढांचागत विकास की दर सभी भौगोलिक विशेषताओं और जलवायु से प्रभावित होते हैं, जो बदले में मौद्रिक और सामाजिक प्रणालियों को प्रभावित करते हैं। भौगोलिक कारक राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को प्रभावित कर सकते हैं, जो क्षेत्रीय एकीकरण और सहयोग को बढ़ावा दे सकते हैं या बाधित कर सकते हैं। प्राकृतिक आपदाएँ और जलवायु परिवर्तन पर्यावरणीय चिंताएँ हैं जो विकास और स्थान के बीच जटिल संबंधों को उजागर करती हैं। यदि नीति निर्माताओं को ऐसी नीतियां बनानी हैं जो भौगोलिक लाभों का अधिकतम लाभ उठाते हुए उनके नकारात्मक प्रभावों को कम करते हुए दीर्घकालिक राजनीतिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं, तो उन्हें इन भौगोलिक चरों पर गहरी पकड़ होनी चाहिए। इस बातचीत से राष्ट्रों और क्षेत्रों के राजनीतिक और आर्थिक वातावरण को प्रभावित करने में प्राथमिक कारक के रूप में भूगोल के महत्व पर प्रकाश डाला गया है।